shrI Hanumad Vadavanala Stotram

श्रीहनुमद्वडवानलस्तोत्रम्

Document Information

Text title : Hanumad Vadavanala Stotram

File name : hanumadvaDavAnala.itx

Category : hanumaana, stotra

Location : doc_hanumaana

Author : vibhIShaNa

Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com, Ruma Dewan

Latest update : April 05, 2006, February 21, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanskript**.

February 22, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीहनुमद्वडवानलस्तोत्रम्

श्रीगणेशाय नमः ।
ॐ अस्य श्रीहनुमद्वडवानलस्तोत्रमन्त्रस्य
श्रीरामचन्द्र ऋषिः, श्रीवडवानलहनुमान् देवता,
(श्रीहनुमान् वडवानल देवता)
ह्रां बीजं, ह्रीं शक्तिः, सौं कीलकं, मम समस्तविघ्नदोषनिवारणार्थे,
सर्वशत्रुक्षयार्थे, सकलराजकुलसंमोहनार्थे,
मम समस्तरोगप्रशमनार्थे, आयुरारोग्यैश्वर्याभिवृद्ध्यर्थे,
समस्तपापक्षयार्थे, श्रीसीतारामचन्द्रप्रीत्यर्थे
हनुमद्वडवानलस्तोत्रजपे विनियोगः (सङ्कल्पः) ॥

अथ ध्यानम् ।
मनोजवं मारुततुल्यवेगं जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् ।
वातात्मजं वानरयूथमुख्यं श्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये ॥

ॐ ह्रां ह्रीं ॐ नमो भगवते श्री महाहनुमते प्रकटपराक्रम
सकलदिङ्मण्डलयशोवितानधवलीकृतजगत्त्रितय वज्रदेह
रुद्रावतार लङ्कापुरीदहन उमा-अमल-मन्त्र (उमा-अर्गल-मन्त्र)
उदधिबन्धन दशशिरःकृतान्तक सीताश्वसन वायुपुत्र
अञ्जनीगर्भसम्भूत श्रीरामलक्ष्मणानन्दकर कपिसैन्यप्राकार
सुग्रीवसाह्यरण पर्वतोत्पाटन कुमारब्रह्मचारिन् गभीरनाद
सर्वपापग्रहवारण सर्वज्वरोच्चाटन डाकिनीविध्वंसन
ॐ ह्रां ह्रीं ॐ नमो भगवते महावीरवीराय सर्वदुःखनिवारणाय
ग्रहमण्डलसर्वभूतमण्डलसर्वपिशाचमण्डलोच्चाटन
भूतज्वरएकाहिकज्वरद्व्याहिकज्वरत्र्याहिकज्वरचातुर्थिकज्वर-
सन्तापज्वरविषमज्वरतापज्वरमाहेश्वरवैष्णवज्वरान् छिन्धि छिन्धि
यक्षब्रह्मराक्षसभूतप्रेतपिशाचान् उच्चाटय उच्चाटय (स्वाहा) ।

ॐ ह्रां ह्रीं ॐ नमो भगवते श्रीमहाहनुमते
ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः आं हां हां हां हां ॐ सौं एहि एहि एहि
ॐ हं ॐ हं ॐ हं ॐ हं ॐ नमो भगवते श्रीमहाहनुमते
श्रवणचक्षुर्भूतानां शाकिनीडाकिनीनां विषमदुष्टानां
सर्वविषं हर हर आकाशभुवनं भेदय भेदय
छेदय छेदय मारय मारय शोषय शोषय मोहय मोहय
ज्वालय ज्वालय प्रहारय प्रहारय सकलमायां भेदय भेदय (स्वाहा) ।

ॐ ह्रां ह्रीं ॐ नमो भगवते महाहनुमते सर्वग्रहोच्चाटन
परबलं क्षोभय क्षोभय सकलबन्धनमोक्षणं कुरु कुरु
शिरःशूलगुल्मशूलसर्वशूलान्निर्मूलय निर्मूलय
नागपाशानन्तवासुकितक्षककर्कोटककालियान्
यक्षकुलजलगतबिलगतरात्रिञ्चरदिवाचर सर्वान्निर्विषं
(यक्षकुलजगत् रात्रिञ्चर दिवाचर सर्पान्निर्विषं)
कुरु कुरु स्वाहा ॥

राजभयचोरभयपरमन्त्रपरयन्त्रपरतन्त्रपरविद्याश्छेदय छेदय
स्वमन्त्रस्वयन्त्रस्वतन्त्रस्वविद्याः प्रकटय प्रकटय
सर्वारिष्टान्नाशय नाशय सर्वशत्रून्नाशय नाशय
असाध्यं साधय साधय हुं फट् स्वाहा ॥

॥ इति श्रीविभीषणकृतं हनुमद्बडवानलस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

As the stotra itself says it is helpful
in the control of all illness and enhances
wealth. To be under a protective cover
I would suggest pa nchamukhI hanumatkavacham
and ekAdashamukhIhanumatkavacham which are
also on the Sanskrit Documents site.

Proofread by Ravin Bhalekar ravibhalekar@hotmail.com

shrI Hanumad Vadavanala Stotram

pdf was typeset on February 22, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*